जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 50 | संख्याः 46 | प्रभात | कोटा, शुक्रवार 29 नवम्बर, 2024 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

अडानी पर लगे आरोपों के बाद भारतीय बैंक नुकसान के आकलन में जुटे

अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा, 338 अरब रु. का कर्ज एस.बी.आई. ने दिया है, और उसे ही सबसे ज्यादा डर है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। भारतीय बैंक जिनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस.बी.आई.) और आई.सी.आई.सी.आई. बैंक शामिल है, गौतम अडानी पर अमेरिका में रिश्वत के आरोप लगने के बाद अडानी से हुए नुकसान का आकलन कर रहे, हालांकि उन्होंने कहा कि इससे बैंक की ऋण देने की नीतियों में कोई बदलाव नहीं होगा।

इन बैंकर्स ने कहा कि उन्हें यह देखना है कि क्या अडानी ग्रुप को नया लोन देते समय जांच प्रक्रिया को और सख्त किया जाए।

- यह भी कहा जा रहा है कि एस.बी.आई. अडानी ग्रुप के उन प्रोजैक्ट्स को कर्ज देना जारी रखेगा जो अभी चल रहे हैं या पूरे होने वाले हैं।
- सूत्रों ने कहा, लेकिन, पर अब एस.बी.आई. सख्ती से इस बात पर ध्यान देगा कि अडानी ग्रुप कर्ज़ सम्बंधी सभी नियमों का पालन करे।
- सूत्रों ने बताया कि कोई भी बैंक इस बारे में बात करने को तैयार नही है, क्योंकि उन्हें मीडिया से वार्ता करने से रोका गया है। रिज़र्व बैंक भी मौन है।
- लेकिन आठ बैंको की तरफ से ''ऑफ द रिकॉर्ड'' कहा गया है कि नए लोन देते समय कड़ी जांच करेंगे।

बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, केनरा बैंक, आई.डी.बी.आई. बैंक और आर.बी.एल. बैंक, जिन्होंने अडानी ग्रुप को अपेक्षाकृत छोटे कर्ज़ दिए हैं, वे भी ऐसी ही कवायद कर रहे हैं।

एक नियामक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंक के नजरिए के अनुसार कहा घबराने की जरुरत नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज़ नहीं दिया है।

रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को इस बारे में ई मेल भेजा गया पर रिज़र्व बैंक ने जवाब नहीं दिया।

एक ब्रोकर कम्पनी आई.आई.एफ.एल. सिक्यूरिटीज़ के अनुसार, भारतीय बैंकों में एस.बी.आई. ने ही अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा 338 अरब रु. (4 अरब डॉलर) का कर्ज दिया है।

सूत्रों ने कहा कि एस.बी.आई. अडानी के उन प्रोजैक्ट्स को कर्ज देने से पीछे नहीं हटेगा, जो चल रहे हैं या पूरे होने वाले हैं। पर उसने आगे कहा कि पर अब लोन देने से पहले बैंक सतर्कता बरतेगा और सुनिश्चित करेगा कि नियमों व शर्तों का पालन किया जाए।

सभी बैंकर्स ने अपना नाम नहीं बताया क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं है। एस.बी.आई. और अडानी ग्रुप ने इससे सम्बंधित ई मेल का जवाब नहीं दिया।

नाबालिग का अपहरण-दुष्कर्म करने वालों को सजा

जयपुर, 28 नवंबर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने और अपराध में सहयोग करने वाले अभियुक्तों, विकास, भोमाराम और गजेन्द्र को बीस साल की सजा से दंडित किया है।

इसके साथ ही, अदालत ने तीनों अभियुक्तों पर कुल 6.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि यौन अपराध बच्चे के मन पर गहरा असर डालता है, जिससे वह मानसिक पीड़ा और अवसाद में चला जाता है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

- अदालत ने तीन अभियुक्तों, विकास भोमाराम व गजेन्द्र को बीस साल की सजा सुनाई, 6.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने 12 अप्रैल, 2021 को गोविंदगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि पन्द्रह वर्षीय पीड़िता बीती रात घर से बिना बताए कहीं चली गई। उसे आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश में वकील की कोर्ट के सामने दिन दहाड़े हत्या

उक्त वकील कोर्ट में इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय दास का बचाव कर रहा था, जिन्हे हाल ही में गिरफ्तार किया गया है

-अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। बांग्लादेश में गुरुवार को चट गांव में एक कोर्ट के सामने दिन दहाड़े एक वकील की जघन्य हत्या कर दी गई। यह वकील हिंदु समुदाय के एक प्रमुख नेता का कोर्ट में बचाव कर रहा था। उक्त नेता ने देश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले का विरोध किया था।

बांग्लादेश देश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो दिल्ली में गुप्त स्थान पर हैं, ने अपनी पार्टी अवामीलीग की सोशल मीडिया साइट पर एक पोस्ट लिखी और हत्यारों को आतंकवादी करार दिया उन्होंने यूनुस सरकार से हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार न केवल अल्पसंख्यकों को बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरहे असफल रही है।

इस्कॉन की बांग्लादेश शाखा के एक प्रमुख सदस्य चिन्मय कृष्ण दास को मोहम्मद यूनुस सरकार ने गिरफ्तार किया है क्योंकि उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का विरोध किया। शेख हसीना ने कहा है कि चिन्मय कृष्ण दास को गलत तरीके से गिरफ्तार किया

- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो भारत में छिपी हुई हैं, ने हत्यारों को आतंकवादी करार दिया और यूनुस सरकार से कार्यवाही की मांग की।
- चिन्मयदास की गिरफ्तारी इसलिए हुई क्योंकि उसने सरकार से हिंदुओं को सुरक्षा देने की मांग की थी।
- बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था रेडीमेड कपड़ों के निर्यात पर आधारित है, पर हाल ही में इस निर्यात में भारी कमी आई है।
- यूनुस सरकार के सिर पर एक और मुसीबत मंडरा रही है। जब ट्रम्प राष्ट्रपति नहीं थे तब यूनुस ने उनका मजाक उड़ाया था। चूंकि ट्रम्प आसानी से भूलते नहीं हैं इसलिए पूरी संभावना है कि वे बांग्लादेश को सबक सिखाना चाहेंगे।

है उन्हें तुरंत छोड़ा जाना चाहिए।

सरकार के खिलाप विरोध प्रदर्शन बढ़ने के कारण बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने जब से देश छोड़ा तब से वहां हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है। शेक हसीना ने जब ढाका छोड़कर नई दिल्ली में शरण ले ली है। पूरे बांग्लादेश में भारी अराजकता है, भीड़ हिंसा, लूट और आगजनी कर रही है और प्रधानमंत्री के आवास को भी लूटा गया, शेख मुजीब की मूर्ति गिरा दी गई।

उसके बाद से ही बांग्लादेश में भारी अव्यवस्था है। हिन्दुओं पर हमले की घटनाओं में भारी तेजी आई है। हथियारबंद लोग हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं उनके घर को लूट रहे हैं। चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद ये घटनाएं और बढ़ी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली

पहली बार गांधी परिवार के तीनों प्रमुख सदस्य संसद सदस्य बने

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आज लोकसभा की सदस्यता की शपथ ली। गांधी परिवार के लिये यह एक ऐतिहासिक क्षण था। प्रियंका द्वारा संसद सदस्य की शपथ लेने के साथ ही, प्रतिष्ठित गांधी परिवार के तीनों सदस्य- प्रियंका, राहुल तथा सोनिया गांधी अब संसद सदस्य हैं। ऐसा भारतीय राजनैतिक इतिहास में पहली बार हुआ है।

जहाँ राहुल गांधी रायबरेली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वहीं सोनिया गांधी राज्य सभा सदस्य हैं।

प्रियंका ने संविधान की लाल एवं काले रंग की प्रति को हाथ में लिये हुये शपथ ली। केरल में बनी क्रीम रंग की ''कसावू'' साड़ी पहने, प्रियंका गांधी जब शपथ लेने के लिए उठीं, उस समय

- प्रियंका गांधी ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ ग्रहण की, कांग्रेसियों ने जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो के नारे लगाए।
- इस दौरान प्रियंका की माँ सोनिया गांधी, जो राज्यसभा सदस्य हैं और उनके भाई राहुल गाँधी भी मौजूद थे। दर्शक दीर्घा में प्रियंका के पति व उनके दोनों बच्चे भी मौजूद थे।
- लोकसभा में प्रियंका के आने पर सोनिया गांधी और राहुल गाँधी ने खुशी जताई। राहुल ने एक्स पर लिखा, ''प्रियंका तुम पर गर्व है।''

कांग्रेस सांसद करतल-ध्वनि के बीच ''जोड़ो, जोड़ो, भारत जोड़ो'' के नारे लगा रहे थे।

जब वे शपथ ले रही थीं, उस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका की माँ तथा कांग्रेस संसदीय पार्टी (सी.पी.पी.) प्रमुख सोनिया गांधी, पति रॉबर्ट वाड्रा पुत्र रेहान तथा पुत्री मिराया दर्शक दीर्घा में बैठे हुए थे।

शपथ लेने के बाद, प्रियंका गांधी ने सभी औपचारिकताएं पूरी की तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी.एस. को तलब कर एक लाख रुपए के हर्जाना आदेश पर रोक

जयपुर, 28 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना से जुड़े मामले में दायर याचिका में एकलपीठ की ओर से मुख्य सचिव को तलब करने और राज्य सरकार पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाने के आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश मुख्य सचिव की ओर से दायर याचिका अपील पर सुनवाई करते हुए

- महाविद्यालय ने कहा, रोडवेज़ के खिलाफ याचिका थी, राज्य सरकार तो पक्षकार भी नहीं थी। फिर भी मुख्य सचिव को तलब किया और राज्य सरकार पर एक लाख का हर्जाना लगाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद में बज रहा परिवारवाद का डंका

अकेला गांधी परिवार ही नहीं कई अन्य नेताओं के परिजन भी संसद में हैं

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 28 नवम्बर। प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा वायनाड लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही, जाहिर है, परिवारवादी राजनेताओं की सूची में वृद्धि हो गई है। गांधी परिवार के तीनों सदस्य सोनिया, राहुल तथा प्रियंका अब एक साथ संसद में हैं। यह अलग बात है कि सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष के परिवार के चार सदस्य अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिम्पल तथा अखिलेश के चचेरे भाई अक्षय और धर्मेन्द्र यादव संसद में हैं। शरद पवार और उनकी पुत्री सुप्रिया सुले दोनों संसद में हैं, हालाँकि ये दोनों अलग-अलग सदनों के सदस्य हैं। पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन लोकसभा सदस्य हैं। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री करूणानिधि की पुत्री कनिमोई तथा चचेरे पौत्र दयानिधि मारन भी लोकसभा में एक साथ हैं। इनके अलावा, पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि उनके पुत्र कार्ति लोक सभा में हैं।

- कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी से अखिलेश के परिवार के चार सदस्य संसद में हैं। स्वयं अखिलेश, उनकी पत्नी और दो चचेरे भाई।
- प्रधानमंत्री मोदी जब से सत्ता में आए हैं उन्होंने परिवारवाद का विरोध किया है, पर उनकी पार्टी भाजपा में भी परिवारवादी राजनीति का भारी प्रभाव है।

भाजपा या एन.डी.ए. भी ''परिवारवादी राजनीति'' से अप्रभावित नहीं हैं। राजनैतिक परिवारों के करीब 20 सदस्य एन.डी.ए. की तीसरी सरकार में मंत्री बनाये गये हैं। इनमें शामिल हैं- एच.डी. कुमारास्वामी, जो पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौडा के पुत्र हैं; ज्योतिरादित्य सिन्धिया, जो माधवराव सिन्धिया के पुत्र हैं; पीयूष गोयल, जो पूर्व कैबिनेट मंत्री वेद प्रकाश गोयल के पुत्र हैं, किरेन रिजिजू, जो अरुणाचल के प्रथम प्रो-टैम स्पीकर रिचिन खारू के पुत्र हैं, रवनीत सिंह बिट्टू, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअन्त सिंह के पौत्र हैं, जितिन प्रसाद, जो जितेन्द्र प्रसाद के पुत्र हैं, राव इन्द्रजीत सिंह, जो हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री राव बिरेन्दर सिंह के पुत्र हैं, जे.पी. नड्डा, जो पूर्व सांसद तथा मध्य प्रदेश की मंत्री जयश्री बनर्जी के दामाद हैं।

वस्तुतः परिवारवादी राजनेताओं की सूची अनन्त है। अन्य केन्द्रीय मंत्रियों, जो राजनैतिक परिवारों से हैं, में शामिल है रक्षा खड़से महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खड़से की पुत्रवधू हैं, जयन्त चौधरी, चौधरी चरणसिंह के पौत्र हैं, रामनाथ ठाकुर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के पुत्र हैं, के. राममोहन नायडू पूर्व केन्द्रीय मंत्री येरन नायडू के पुत्र हैं, अनुप्रिया पटेल अपना दल संस्थापक सोनेलाल पटेल की पुत्री हैं, कीर्तिवर्धन सिंह उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री महाराज आनन्द सिंह के पुत्र हैं, चिराग पासवान पूर्व केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान के पुत्र हैं।

पिछले 10 वर्षों में खासतौर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''परिवारवाद''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)